दिलकश चुदाई

“लेखिका : शमीम बानो कुरेशी रोज की तरह मेरे पति शराब की बोतल ले कर घर आ गये थे। मैंने उनके लिये शराब के साथ मांस पका कर रख लिया था। उसका दोस्त राजेश जो अभी कुँवारा था, साथ ही आता था। राजेश मुझे अक्सर घूरता तो रहता था पर मुझे उसकी नजरें बुरी नहीं […] ...”

Story By: (shamimbanokanpur)
Posted: बुधवार, जनवरी 31st, 2007
Categories: हिंदी सेक्स कहानियाँ
Online version: दिलकश चुदाई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दिलकश चुदाई

लेखिका : शमीम बानो कुरेशी

रोज की तरह मेरे पति शराब की बोतल ले कर घर आ गये थे। मैंने उनके लिये शराब के साथ मांस पका कर रख लिया था। उसका दोस्त राजेश जो अभी कुँवारा था, साथ ही आता था। राजेश मुझे अक्सर घूरता तो रहता था पर मुझे उसकी नजरें बुरी नहीं लगती थी। उसकी शराफ़त मुझे भाती भी थी। शराब पीने के दौरान मेरे साथ पति की हरकतों को वो एन्जोय करता था।

आज भी वो दोनों शराब पी रहे थे। मैं नहाने के लिए बाथरूम में चली गई थी। मेरा पति ने तब तक हल्ला मचा कर मुझे बहुत गालियां दे डाली थी।

“मादरचोद रण्डी, गोश्त तेरा बाप लायेगा क्या… ?”

“रुको ना ला तो रही हूँ… “

मैंने जल्दी से मात्र पेटीकोट पहना और ऊपर एक हल्का सा टॉप डाल कर प्लेट में भुना मांस लेकर आ गई।

“भोसड़ी की ! गाण्ड मराने गई थी क्या … इधर ला… !”

राजेश मुझे देख कर मुस्करा रहा था। मुझे बहुत शर्म आ रही थी, पर ये गालियाँ मेरे लिये कोई नई नहीं थी। राजेश को मैंने चुपके से देखा और मन ही मन मुस्करा दी।

“जा कहाँ रही है… इधर आ… नहा कर आई है … तेरी भेन की चूत मारूँ … चिक्कन लग

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रही है !”

“बस भी करो ना … ” राजेश के सामने गालियाँ देना मुझे और भी आनन्दित कर रहा था।

“आजा मेरे लौड़े पर बैठ जा … हिच्च … तेरी चूत मार दूँ … “

मैं शर्म से पानी पानी हुई जा रही थी… जाने राजेश क्या सोच रहा होगा।

क्या वो भी मुझे चोदने की सोच रहा था या …

नशे में धुत्त सा रहमान बोलता ही जा रहा था। उसने मेरी बांह पकड़ कर मुझे खींच लिया,” तेरी मां का भोसड़ा … ये देख मेरा लण्ड … आजा तेरी चूत में घुसेड़ दूँ !”

उसने सच में अपना लण्ड पैण्ट में से बाहर निकाल लिया … राजेश ने रहमान को सम्भालने की कोशिश की और फिर मेरी तरफ़ देखा।

“मां के लौड़े … चल हट … मेरी बीवी है … साली को चोद चोद कर मस्त कर दूंगा।”

पर शराब अधिक पी जाने से वो राजेश के हाथों में झूल गया। उसने रहमान को सोफ़े पर लेटा दिया। मैं जल्दी से उसका लण्ड पैण्ट में अन्दर डालने लगी।

मैंने राजेश को देखा और मुस्करा दी।

राजेश ने कहा,”बानो, मैं डाल दूंगा … ये तो कुछ भी नहीं है… ये ले … अब ज़िप लगा दे !”

यह सुनते ही मैं शरमा गई। उसने ही लण्ड अन्दर करके ज़िप लगा दी। उसने मेरी पीठ पर हाथ फ़ेरते हुये कहा,”शमीम, इसकी शराब छुड़ानी होगी !”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“अरे पीने दे, पी पी के साला मर जायेगा।”

तभी मुझे लगा कि उसका हाथ मेरी पीठ पर आ गया है। साले को नीचे आग लग रही है, पर कैसे कहूँ आग तो मेरी फ़ुद्दी में भी लगी हुई थी। उसके पीठ पर हाथ फ़ेरने से मुझे झुरझुरी सी होने लगी। मैंने तिरछी निगाहों से उसकी तरफ़ देखा। उसका लण्ड उठान पर था।

मैं समझ गई थी कि वो हाथ यूँ ही नही फ़ेर रहा है।

“भैया, ये तो देखो ना, मुझे कितनी गालियाँ देते हैं… “

“सच कहती हो भाभी, तुम हो ही इतनी प्यारी … दो जाम उतरते ही आपके लिये दिल में … “

मैंने उसके होंठो पर अंगुली रख दी,”धत्त भैया, ऐसा मत कहो, मुझे शर्म आती है … आप तो इनके जैसा मत कहो।”

उसके हाथ अब मेरे चूतड़ों की गोलाईयों तक पहुंच चुके थे। उसने एक बार नशे में धुत्त रहमान को देखा और मेरी तरफ़ बड़ी आस से देखा। मेरे शरीर में एक सिहरन सी दौड़ गई। उसने धीरे से मेरा एक चूतड़ का गोला दबा दिया। उसका लण्ड अब पूरा तन गया था। मैंने कोई विरोध नही किया। उसके हाथ मेरे दूसरे गोले पर भी पहुंच कर सहलाने लगे थे। मैंने धीरे से उसका हाथ हटा दिया।

अचानक उसने मुझे अपनी ओर खींच लिया। मैं घबरा सी गई। पर मेरा जादू उस पर चल गया था।

“भैया … छोड़ो मुझे … यह क्या कर रहे हो… “

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“ओह… सॉरी … तुम्हें देख कर मुझे भी नशा हो गया था … ” उसने मुझे छोड़ दिया।

मुझे बहुत ही बुरा लगा, मुझे लगा था कि वो मेरे साथ जोर जबरदस्ती करेगा और फिर मैं अपने आप को उसको सौंप दूगी। इस तरह मुझे एक ताजे नये लण्ड का मजा मिल जायेगा। पर ये तो बुद्धू निकला। हाय … पर मेरा अनुमान गलत निकला… कैसे भला … वो बुद्धू नहीं निकला ? मेरे बेडरूम में घुसते ही वो भी पीछे-पीछे आ गया और उसने मेरी कमर में हाथ डाल कर पीछे से अपने से चिपका लिया।

“बानो … तू तो बहुत चिकनी है रे … मां कसम … चुदा ले एक बार… !”

“देखो राजेश … रहमान को पता चल गया ना तो तेरी गाण्ड मार देगा !”

उसने मेरे सीने के उभार अपनी हथेलियों में भींच लिये। मैं तड़प कर परे हट गई। उसने भी यूं तो शराब पी रखी थी पर नशा उसे शराब का नहीं, मेरा चढा हुआ था। उसने झपट कर मुझे अपने से चिपका लिया।

“अरे छोड़ ना, बड़ा मर्द बनता है … मुझे चोदना है तो ऐसे करेगा क्या ?”

“सच कहता हू बानो, तेरी आस तो मुझे कब से है … तेरे नाम की मैं तो रोज मुठ मारता हूँ … एक बार चुदा ले बस… मेरे दिल की हसरत निकल जाये !”

मैंने उसे अपने से फिर दूर किया और कहा,”चल ठीक है, मेरी बात मानेगा… पहले इस रहमान की गाण्ड मार … हरामी मुझे बहुत गालियाँ देता है !”

“बस , इतनी सी बात… ये तो मुझसे अक्सर गाण्ड मराता है … तू कहे तो इसकी मां को ही चोद दूँ !”

“चल उठा इसे, नीचे दरी पर सुला दे… “

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

राजेश ने उसे खींच कर नीचे दरी पर उल्टा लेटा दिया। मैंने तो सिर्फ़ पेटीकोट ही पहन रखा था, सो उसे उठा कर मैंने राजेश को अपनी चिकनी चूत दिखा दी…

“ये देख, है ना मस्त चूत … पर अब इसकी गाण्ड मार दे, तुझे ये चूत फ़्री में दूंगी।”

मैं जोर से खिलखिला कर हंस पड़ी। उसे भी हंसी आ गई। मैंने और राजेश ने मिलकर उसकी पैण्ट खींच के उतार दिया और चड्डी भी उतार कर गाण्ड खोल दी। वो नशे में कुछ बड़बड़ा रहा था।

“बानो इसे देख कर तो लौड़ा खड़ा तक नहीं हो रहा है !”

“धत्त तेरे की, फिर क्या दम है तेरे में… ला तेरा लौड़ा मसल कर खड़ा कर दूँ।”

मेरा हाथ लगते ही उसका लौड़ा फूल कर बड़ा होने लगा। जैसे जादू हो गया था। कुछ पलों में उसका लौड़ा सात आठ इन्च का हो गया। लण्ड खासा मोटा था पर थोड़ा टेढ़ा था। मैंने उसकी चमड़ी पीछे खींच कर सुपाड़ा बाहर निकाल लिया। लण्ड की फूली हुई नसें और चमकदार गुलाबी सुपाड़ा मुझे भी भा गया।

“चल सेट कर इसकी गाण्ड में लौड़ा… !” मैंने झुक कर रहमान के चूतड़ों के पट खोल दिये। बीच में काला-भूरा छेद नजर आने लगा था। मैंने एक थूक का लौंदा उस पर टपका दिया। फिर मैं अपनी चूची खोल कर उसके सामने मसलने लगी। मुझे देख कर उसका लण्ड और कड़क हो चला था। उसने रहमान की गाण्ड में अपना लण्ड घुसा दिया। रहमान थोड़ा सा बेचैन हुआ, पर नशे में बड़बड़ा कर रह गया। वो पूरा नशे में धुत्त हो चुका था।

मैंने राजेश की बनियान भी ऊपर खींच ली और अपनी कठोर चूचियाँ उसकी पीठ से रगड़ने लगी। वो और उत्साह से रहमान की गाण्ड मारने लगा। मैं भी उत्तेजना से भर गई। मैंने अपना पेटीकोट भी उतार दिया। राजेश के सामने मैं नंगी हो कर खड़ी हो कर उसे अपनी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चूत हिला कर दिखाने लगी।

“तेरी कसम बानो, मेरा निकल जायेगा … अब चूत मारने दे प्लीज !”

“अरे राजेश, मेरी चूत तो अब तेरी है … मस्ती से इसे चोद डालना … पर पहले इसकी गाण्ड तो पूरी मार … और अपना माल निकाल दे… !”

“आह्ह … साले की गाण्ड अन्दर से गरम है … !” उसने जल्दी जल्दी लण्ड चलाना आरम्भ कर दिया। कुछ देर में गाण्ड के अन्दर ही उसका वीर्य निकल पड़ा।

“ले … हो गया ना … अब चूत मरा ले… !”

“जा ठीक से लण्ड धो कर आ … फिर आजा मेरे राजा… देख यह सब देख कर मेरी चूत क्या, चूतड़ भी लण्ड खाने को तैयार हैं… देख तबियत से चोदना मेरे राजा !”

फिर से उत्तेजित करने के लिये मैं उसे रिझाने लगी। उसने वहीं पर पानी के गिलास से अपना लण्ड धो लिया और कुछ ही क्षणों में वो फिर से तैयार था। मैं सीधे अपने बेडरूम में भागी। वो भी अपने खड़े लण्ड के साथ मेरे पीछे पीछे आ गया।

“बानो … तेरी कसम … तू तो चिक्कन माल है रे… अब तो खूब मजा आयेगा ना… “

“अभी नंगी खड़ी हूँ तेरे सामने, इसलिये ना … साला चूत देख कर मुँह में पानी आ रहा है, जब चोद देगा तो कहेगा, कौन बानो … कैसी बानो… !”

वो मुझसे लिपट पड़ा और अपना तना हुआ लण्ड मेरी गाण्ड में घुसाने लगा। मुझे भी उसके लण्ड के चुभन की मीठी मीठी सी टीस उठने लगी। वह बड़ी कोमलता से मेरी चूचियाँ सहलाने लगा, उसके हाथों स्पर्श मेरी चूत में गुदगुदी करने लगा। मैं अपने आप घोड़ी बनने लिये के लिये बेताब हो उठी, मैंने अपनी टांगें फ़ैला कर खूबसूरत गाण्ड पीछे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उभार दी।

“राजेश, कुछ चिकनाई लगा दे रे … वर्ना गाण्ड फ़ट जायेगी !”

“वो तो पहले ही इतनी चिकनी है … फिर भी तेरी कोल्ड क्रीम क्या काम आयेगी।”

उसने कोल्ड क्रीम मेरे छेद पर लगा दिया और अंगुली को छेद में घुसा कर अन्दर बाहर करने लगा।

“हाय मेरे अल्लाह, बहुत मजा आ रहा है … और कर … पर जरा प्यार से … “

“तो मेरे लण्ड का क्या होगा… ?”

“उसके लिये तो चूत है ना… आह्ह्ह जल्दी जल्दी कर … यह तो मेरी चूत को झड़ा देगा रे … उफ़्फ़, इतना मजा … तेरी अंगुली है या … जरा और अन्दर घुसेड़ ना… “

“बानो, मेरा लौड़ा झड़ जायेगा ना… चोदने दे अब… “

“तो अंगुली को मेरी गाण्ड में डाले रख और ये ले मेरी चूत … “

उसने मेरा इशारा समझा और अपना लण्ड थोड़ा सा नीचे झुकाते हुये मेरी चूत पर रख दिया। उसके सुपाड़े का स्पर्श से लगा कि मेरी चूत के लायक वो बहुत मोटा है। फिर भी लगा कि चूत तो लण्ड के साईज़ के हिसाब से फ़ैल जाती है। सो मैंने उसके सुपाड़े पर जोर लगाया। उसका जोर भी लगा … पर लण्ड के घुसते ही जैसे मेरी चीख निकलने को हुई। वो तो बहुत मोटा था … रहमान का तो उसके सामने पतला और छोटा था। उसने अपने चूतड़ों का और जोर लगाया और बहुत ही कसता हुआ आधा लण्ड अन्दर उतर गया। मेरी आंखें दर्द से उबल पड़ी… ।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“मादरचोद फ़ाड़ ही डालेगा क्या ? … साला क्या लोहे का है… ?”

“बस हो गया बानो … ” वो मेरी गाण्ड में अंगुली घुमा कर मुझे आनन्द देने की कोशिश कर रहा था। पर अब मुझे बस जोर का दर्द हो रहा था। उसने गाण्ड में से अंगुली निकाल ली। मेरे कूल्हों को कस कर पकड़ कर उसने जोर का धक्का दे ही दिया। मेरी चूत को चीरता हुआ लण्ड पैंदे में बैठ गया। मेरे मुख से एक चीख फिर से निकल पड़ी।

“अल्लाह रे … ये क्या कर रहा है … लगता है तूने तो रहमान की गाण्ड की तो मां चोद कर रख दी होगी।”

“अरे नहीं … उसकी तो मैं अक्सर मारता रहता हूँ… उसकी तो आदत है।”

“अम्मी रे … मेरे तो भोसड़े में नहीं ही घुसता है तो … गाण्ड तो … अरे ये क्या… चिकना चिकना क्या है ” उस समय मुझे पता नही चला, पर खून निकल आया था।

“अरे कुछ नहीं … चल अब मस्त हो जा… ” उसका लण्ड मेरी चूत में पीछे से धीरे-धीरे अन्दर बाहर होने लगा … मेरा दर्द भी शनैः शैनेः कम होने लगा। कुछ ही देर में मेरी चूत का साईज़ लण्ड जैसा हो गया और वो आसानी से मुझे पेलने लगा। अब मुझे भी आनन्द आने लगा था। उसके मोटे लण्ड ने मेरे शरीर में तेज उत्तेजना भर दी। सच में मोटे लण्ड का तो मजा ही कुछ और ही है… ।

मैं झुकी हुई थी, मेरे हाथ पलंग पर टिके हुये थे। मेरी चूचियाँ नीचे झूल रही थी, वो तो बस कभी कभी मेरे चुचूकों को अपने अंगूठे और अंगुलियों से मसल डालता था और एक मीठी सी टीस शरीर में उभर आती थी। उसकी लण्ड को अन्दर बाहर करने की गति तेज होने लगी। मेरे जिस्म में तेज मीठी सी तरावट भरने लगी। उसका मोटा लण्ड मेरी चूत में कसता हुआ चल रहा था। रगड़ की मधुर आग तेज होने लगी थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चुदाई का असली मजा मुझे आने लगा था। रहमान का लण्ड अब मुझे नूनी सा लग रहा था। बस वो तो चूत में गुदगुदी ही कर पाता था, इतना मोटा लौड़ा खाने के बाद रहमान की चुदाई को तो मैं चुदाई अब कह ही नहीं सकती थी।

अब मुझे चुदाई की उत्तेजना चरम बिन्दु तक ले जा रही थी। मुझे तो बहुत आनन्द आ रहा था। अति उत्तेजना के कारण मेरे जिस्म में लहरें उठने लगी। चूत फ़ड़कने लगी। मेरी आंखें बन्द होने लगी। तभी मेरा सारा शरीर जैसे ऐंठ गया और चूत ने पानी छोड़ दिया। मैं झड़ने लगी… मेरा चूत में लसलसापन बढ गया, इस पर सोने पर सुहागा … जैसे चूत के अन्दर बाढ़ सी आ गई। राजेश का वीर्य तेजी से छूट गया और मेरी चूत में भरने लगा। मैंने अपनी टांगें और चौड़ी कर ली। वो अन्दर वीर्य भरता रहा और फिर उसकी बूंदें मेरी चूत से अब चू पड़ी- टप टप करके वो जमीन को गीली करने लगी। वो अपना लण्ड चूत में घुसेड़े हुये हांफ़ने लगा। तभी उसका लण्ड सिकुड़ कर धीरे धीरे चूत के बाहर आ गया। मैं भी सीधी खड़ी हो गई। तभी मैं चौंक गई, वीर्य के साथ मेरी चूत में से खून भी टपक रहा था। शायद अन्दर चोट लग गई थी या लण्ड ने चूत को अपने साईज़ में लाने के लिये उसे रगड़ मारा था। मैं जल्दी से बाथ रूम में गई और साफ़ पानी से चूत को धो लिया। अब मेरी चूत में दर्द होने लगा था।

राजेश मुझे चोद कर जा चुका था। मैं बिस्तर पर लेटी हुई सोच रही थी कि अब तक मैं इस छोटे से लण्ड साथ चुदा कर बहुत खुश थी, पर अब मैं खुश थी मोटे लण्ड से चुद कर। रहमान के चूतड़ पर राजेश का वीर्य पड़ा हुआ चमक रहा था … सोच में अब थी कि क्या ये रहमान सच में गाण्ड मराता था … साला गाण्डू निकला ये तो ! उसे ही निहारते हुये मेरी आंखें सपनों में खो गई … मुझ पर गहरी नींद छाने लगी … शायद सपने में वो दूर खड़ा राजेश ही था जो अपना मोटा लण्ड हिला हिला कर मुझे अपनी ओर बुला रहा था …

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

पड़ोसन देसी गर्ल को अन्तर्वासना सेक्स स्टोरी पढ़वाई

मेरा नाम आदित्य है। मैं आगरा से हूँ। मेरे घर के पास एक लड़की रहती थी.. उसका नाम काजल है, मैं उसको रोज़ देखता था, कभी कभार उसे मिस काल भी करता था, मेरे पास उसका फ़ोन नम्बर था। एक […]
Full Story >>>

मुमताज की मुकम्मल चुदाई-2

संजय सिंह जैसे ही वो दोनों गईं, मुमताज आकर मेरे से चिपक गई और मुझे चूमने लगी। मैंने उसको बोला- मुमताज, पहले दरवाजा तो बंद कर दो, नहीं तो कोई देख लेगा। वो गई और जल्दी से दरवाज़ा बंद किया […]
Full Story >>>

जूही और आरोही की चूत की खुजली-22

पिंकी सेन हैलो दोस्तो, मज़ा आ रहा है न.. आरोही और जूही की चुदाई में.. आपकी राय के अनुसार ही मैंने बड़े आराम से चुदाई पेश की है और आगे के कुछ और भागों में भी यह चुदाई चालू रहेगी। […]
Full Story >>>

मैडम एक्स और मैं-4

इमरान ओवैश स्नान-सम्भोग के पूर्ण होने के उपरान्त हमने कायदे से स्नान किया और बाहर आ गये। काफी थकान हो चुकी थी, सो कुछ पल के आराम के बाद हमने खाना खाया और टीवी देखने लगे। टीवी देखते देखते सर […]
Full Story >>>

मेरी चालू बीवी-16

इमरान और चारों ओर काफी परदे लगे थे… मैं दो पर्दों के बीच खुद को छिपाकर… नीचे को बैठ गया… अब कोई आसानी से मुझे नहीं देख सकता था… मैंने अंदर की ओर देखा… अंदर दो तीन जमीन पर गद्दे […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Desi Kahani

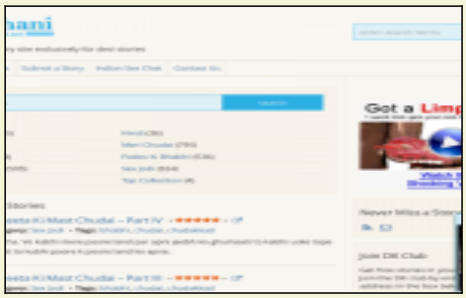

India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Antarvasna Shemale Videos

Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Delhi Sex Chat

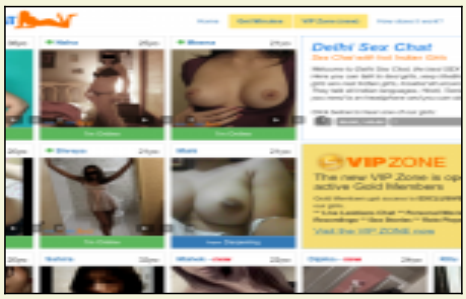

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স ষ্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire